

प्रवेशिका मैथिली गद्य-पद्य संग्रह

भाग-2



निदेशक (माध्यमिक शिक्षा), शिक्षा विभाग, बिहार सरकार द्वारा स्वीकृत ।

राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार, पटना के सौजन्य से सम्पूर्ण बिहार राज्य के निमित्त ।

© बिहार स्टेट टेक्स्टबुक पब्लिशिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड, पटना

प्रथम संस्करण - 2014

मूल्य : रु० 32.00



बिहार स्टेट टेक्स्टबुक पब्लिशिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड, पाठ्य-पुस्तक भवन, बुद्ध मार्ग, पटना-800001 द्वारा प्रकाशित तथा सुभा प्रिंटिंग प्रेस, बैरिया, पटना-7 द्वारा 5,000 प्रतियाँ मुद्रित ।

प्राक्कथन

शिक्षा विभाग, बिहार सरकारक निर्णयानुसार अप्रैल 2013 सँ राज्यक कक्षा IX एवं X त्तु ऐच्छिक विषयक पाठ्यक्रम लागू कएल गेल अछि । एही संदर्भमे एस०सी०ई०आर०टी० बिहार पटना द्वारा विकसित प्रस्तुत पुस्तक निगम द्वारा आवरण चित्रणकेँ मुद्रित कएल जा रहल अछि।

बिहार राज्यमे विद्यालयीय शिक्षाव. गुणवत्तापूर्ण शिक्षाक लेल माननीय मुख्यमंत्री, बिहार, श्री जीतन राम मांझी, शिक्षा मंत्री, श्री वृशिण पटेल एवं शिक्षा विभागक प्रधान सचिव श्री आर० के० महाजनक मार्गदर्शनक प्रति हम हृदयसँ कृतज्ञ छी ।

एस०सी०ई०आर०टी०, बिहार पटनाक निदेशकक हम आभारी छी, जे अपन सहयोग प्रदान कएल।

बिहार राज्य पाठ्य-पुस्तक प्रकाशन निगम छात्र-छात्रा, अभिभावक, शिक्षक, शिक्षाविदक टिप्पणी एवं सुझावक सदैव स्वागत करत, जाहिसँ बिहार राज्यक देशक शिक्षा क्षेत्रमे उच्चतम स्थान दियाबमे हमर प्रयास सिद्ध भऽ सकए।

दिलीप कुमार, आई०, टी०, एस०,

प्रबंध निदेशक

बिहार राज्य पाठ्य-पुस्तक प्रकाशन निगम लि०

दिशा-बोध

श्री अमरजीत सिन्हा, प्रधान सचिव, शिक्षा विभाग बिहार, पटना

श्री राहुल सिंह, राज्य परियोजना निदेशक, बिहार माध्यमिक शिक्षा परिषद् बिहार, पटना

श्री हसन वारिस, निदेशक, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद् बिहार, पटना

डॉ० सैय्यद अब्दुल मुईन, विभागाध्यक्ष, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद् बिहार, पटना

डॉ० ज्ञानदेव मणि त्रिपाठी, प्राचार्य, भंत्रेय कॉलेज ऑफ एजुकेशन एण्ड मैनेजमेन्ट, हाजीपुर (वैशाली)

मैथिली भाषा पाठ्य-पुस्तक विकास समितिक सदस्य

डॉ० (प्रो०) इन्द्रकान्त झा, पूर्व अध्यक्ष, मैथिली विभाग, पटना विश्वविद्यालय, पटना।

डॉ० कमलाकान्त भण्डारी, पूर्व व्याख्याता, राजकीय कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय, शास्त्री नगर, पटना।

डॉ० वीणाधर झा, व्याख्याता, पटना कॉलेजिएट स्कूल, दरियापुर, पटना।

डॉ० अरूण कुमार झा, प्राचार्य, उच्च माध्यमिक विद्यालय, पंडितगंज, मसौढ़ी, पटना।

डॉ० राज कुमार झा, व्याख्याता, राजकीय बालक उच्च (+2) विद्यालय, पटना सिटी।

डॉ० सुधीर कुमार झा, व्याख्याता, जे० एन० बी० आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, लगमा, दरभंगा।

डॉ० राम नारायण सिंह, स० शि०, श्री रघुनाथ प्रसाद बालिका उच्च (+2) विद्यालय, कंकड़बाग, पटना

समन्वयक

डॉ० रीता राय, व्याख्याता, एस०सी०ई०-आर०टी० बिहार, पटना

समीक्षक

श्री भाग्यनारायण झा, पूर्व चीफ रिपोर्टर आर्यावर्त, पटना।

डॉ० भगवानजी चौधरी, साहिबगंज महाविद्यालय, साहिबगंज, झारखण्ड (मैथिली विभागाध्यक्ष अवकाश प्राप्त)

प्रस्तुत पोथी प्रवेशिका मैथिली गद्य-पद्य संग्रह भाग-2 क निर्माण, किशोर वयक छात्रलोकनिक लेल, जे सम वर्गमे ऐच्छिक विषयक रूपमे मैथिली पढ़ताह, कयल गेल अछि। एहि वर्गक छात्रक बुद्धि बेसी कोमल आ बेसी जगसु होइत अछि। नव-नव वस्तु, आ विषयक प्रति बेसी आकर्षण रहैत छनि, ओकरा प्रति बेसी झुकाव भेनाई जाभाविके, तँ ताही तरहक विषय आ पाठ सभक चयन कय एहि पोथीमे राखल गेल अछि। ई छात्रलोकनिकें एकांगी रोयचासँ रोकि बहुमुखी प्रतिभाक प्रति सजग बनेबा दिस उत्प्रेरित, उत्साहित आ सत्पथ गामो बनाओत।

छात्रक बौद्धिक विकास एवं ग्राह्य शक्तिकें ध्यानमे राखि सुगम सरस संगीह ज्ञानवर्द्धक पाठक चयन कएल गेल अछि। साहित्यक सरोकार सरसतासँ होइत छैक तँ पाठक चयनमे एहि बातक विशेष ध्यान राखल गेल अछि जे पाठ छात्रकें बोझिल आ उबाऊ नहि बूझि पड़नि।

सम्पूर्ण पाठ्य पुस्तककें गद्य, पद्य, द्रुतवाचन आ व्याकरण चारि खण्डमे विभक्त कयल गेल अछि। द्रुतवाचन पाठक हेतु कल्पनाशक्ति ओ बौद्धिक प्रौढ़ताक दृष्टिअँ देल गेल अछि जाहिसँ कोनो तरहक प्रश्न नहि पूछल जायत।

गद्य-पद्य खण्डमे 6-6 पाठ राखल गेल अछि जाहि माध्यमे छात्र अपन बहुआयामी प्रतिभाकें उजागर करबामे समर्थ होयताह। मिथिला बहुमुखी संस्कृतिक संगम स्थल थिक। एहिठाम सभक विकास आ संस्कृतिक रक्षक संग-संग एकता कोना स्थापित रहत तकर चर्चा विभिन्न पाठक माध्यमे कयल गेल अछि। पाठक माध्यमसँ कोनो विशेष बातकें कहब सुगम होइत छैक वनिस्पत उपदेशक माध्यमे कहब।

आजुक अर्थव्यवस्था वैश्विक रूप प्राप्त कऽ लेने अछि। हम अपनाकें ओहि व्यवस्थासँ असम्पृक्त नहि राखि सकब। तँ एहि परिस्थितिमे अपनाकें कोना उजागर कय सकी तकर चेष्टा पाठक माध्यमसँ कयल गेल अछि।

एस0सौ0ई0आर0टी0 सभसँ पहिने शिक्षा विभाग, बिहार सरकारक माननीय मंत्री श्री पी0के0 शाही एवं प्रधान सचिव श्री अमरजीत सिन्हाक प्रति विशेष आभार प्रकट करैत अछि जिनका सतत् प्रयाससँ एहि पुस्तकक निर्माण बहुत कम समयमे भऽ सकल। एहि पुस्तकमे चयनित रचनाक रचनाकार लोकनिकें हम विशेष आभारी छियनि जिनका रचनासँ ई पुस्तक फल्लवित पुष्पित भय सकल। पाठ्य पुस्तक विकास समितिक सदस्य लोकनिक प्रो0 नन्दकान्त झा, डॉ0 कमलकान्त भण्डारी, डॉ0 वीणाधर झा, डॉ0 राजकुमार झा, डॉ0 अरूण कुमार झा, डॉ0 सुधीर कुमार झा, डॉ0 रामनारायण सिंहक प्रति हम विशेष कृतज्ञतापूर्ण करैत छी जिनक परिश्रम ओ अध्यवसायसँ ई कार्य सम्पन्न भऽ सकल।

पाठ्य पुस्तक विकासक क्रममे गतिरोध नहि होइक ताहि लेले सतत प्रयत्नशील डॉ० रीता राय, समन्वयककेँ हम धन्यवाद दैत छियनि।

ई पाठ्य पुस्तक अपने लोकनिक समक्ष प्रस्तुत अछि। सुधीजन ओ सहृदय समीक्षकसँ आग्रह जे पुस्तकक प्रणयनमे भेल त्रुटिक प्रति आगाह करथि, हमरा प्रसन्नता होयत।

निदेशक

हसन वारिस

रान्य शिक्षा-शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्

बिहार, पटना-6

विषय-अनुक्रम

पद्य भाग		1-29
1. युगधर्म	-वैद्यनाथ मिश्र 'यात्री'	02-05
2. सनातन मानव	-आरसी प्रसाद सिंह	06-09
3. फूलक नोर खसल	-बिलट पासवान 'बिहंगम'	10-13
4. हम भेटब	-मार्कण्डेय प्रवासी	14-17
5. गाम आ शहर	-उदय चन्द्र झा 'विनोद'	18-22
6. अकाल-अनूदित (नेपाली कविता संग्रह)	- मेनका मल्लिक	23-29
गद्य भाग		30-70
1. राष्ट्रीय एकताक प्रासंगिकता	-नवीन चन्द्र मिश्र	31-37
2. मिथिलांचलक उत्थान	-नरेन्द्र झा	38-42
3. मिथिलांचलक रंग ओ शिल्प	-देवकान्त झा	43-48
4. वैश्वीकरण आ अर्थव्यवस्था	-भाग्यनारायण झा	49-53
5. मिथिलाक प्राचीनता वर्तमान अस्मिता	-वासुकीनाथ झा	54-61
6. आउ हम बेटी विमर्श करी	-विभूति आनन्द	62-70
दूतवाचन		71-81
1. पीयर आँकुर		72-74
2. काटरक समस्या		75-78
3. कान्हाक जोगाड़		79-81
व्याकरण		82-113
1. सन्धि		83-87
कारक		88-89
क्रिया		90-91
काल		92-93
समास		94-95
मुहावरा		96-99

लोकोक्ति	100-105
2. संक्षेपण	106-108
3. पत्र लेखन	109-113
4. निबंध-	114-156
शिक्षक दिवस	115-116
मदर टेरेसा	117-118
महावीर स्वामी	119-120
स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त)	121-122
छात्र आ अनुशासन	123-124
समाचार पत्र	125-125
विज्ञानक चमत्कार	126-127
चलचित्र	128-129
रेडिओ	130-131
स्त्रीशिक्षा	132-133
वयस्कशिक्षा	134-135
श्रमदान	136-137
अकाल	138-139
बाढ़ि	140-141
पुस्तकालय	142-144
वसंत ऋतु	145-146
एक महापुरुषक जीवन चरित (महात्मा गाँधी)	147-148
ग्रामपंचायत	149-150
स्वदेशप्रेम	151-152
परोपकार	153-154
स्वावलम्बन	155-156